

● सुनो, समझो और गाओ :

१५. झाँसी की रानी

- सुभद्राकुमारी चौहान

जन्म : १९०४ मृत्यु : १९३९ रचनाएँ : 'मुकुल', 'उन्मादिनी', 'श्रीधारा' आदि । परिचय : आपकी रचनाएँ राष्ट्रप्रेम और नारीसुलभ भावनाओं से ओतप्रोत हैं । प्रस्तुत कविता में कवयित्री ने झाँसी की रानी की शौर्यगाथा एवं स्वतंत्रता संग्राम में उनके बलिदान का वर्णन किया है ।



अध्ययन कौशल



अब तक पढ़े गए शब्दों का लघु शब्दकोश तैयार करो ।

बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी ।

खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी ॥

लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार ।

देख मराठे पुलकित होते उसकी तलवारों के वार ॥

नकली युद्ध , व्यूह की रचना और खेलना खूब शिकार ।

सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना ये थे उसके प्रिय खिलवार ॥

महाराष्ट्र कुल देवी उसकी भी आराध्य भवानी थी ॥१॥

कुटियों में थी विषम वेदना, महलों में आहत अपमान ।

वीर सैनिकों के मन में था, अपने पुरखों का अभिमान ॥

नाना धुंधूपंत पेशवा जुटा रहा था सब सामान ।

बहिन छबीली ने रणचंडी का कर दिया प्रकट आह्वान ॥

हुआ यज्ञ प्रारंभ उन्हें तो सोई ज्योति जगानी थी ॥२॥



- ❑ कविता की लय-ताल, हाव-भाव सहित प्रस्तुति करें । झाँसी की रानी के युद्धकौशल संबंधी प्रश्न पूछें । कविता के एक-एक चरण का गुट में गायन कराएँ । देशभक्ति की अन्य कविता सुनाने के लिए कहें ।



जरा सोचो तो चर्चा करो

यदि सड़क के सिग्नल न हों तो ...

महलों ने दी आग, झोंपड़ों ने ज्वाला सुलगाई थी ।
 यह स्वतंत्रता की चिनगारी अंतरतम से आई थी ॥
 झाँसी चेती, दिल्ली चेती, लखनऊ लपटें छाई थीं ।
 मेरठ, कानपुर, पटना ने भारी धूम मचाई थी ॥
 जबलपुर, कोल्हापुर में भी कुछ हलचल उकसानी थी ॥३॥



जाओ रानी याद रखेंगे हम कृतज्ञ भारतवासी ।
 यह तेरा बलिदान जगाएगा स्वतंत्रता अविनाशी ॥
 होवे चुप इतिहास, लगे सच्चाई को चाहे फाँसी ।
 हो मदमाती विजय, मिटा दे गोलों से चाहे झाँसी ॥
 तेरा स्मारक तू ही होगी, तू खुद अमिट निशानी थी ॥४॥



मैंने समझा



शब्द वाटिका

नए शब्द

खिलवार = खेल

दुर्ग = किला

चिनगारी = अग्निकण

मदमाती = मतवाली

बलिदान = त्याग

अमिट = न मिटने वाली



स्वयं अध्ययन

‘वसुंधरा दिवस’ कैसे मनाएँ, इसके बारे में जानकारी लिखो ।



खोजबीन

आकाश गंगा की जानकारी प्राप्त करो ।



सुनो तो जरा

कोई स्फूर्ति गीत सुनो और सुनाओ ।



वाचन जगत से

विभिन्न क्षेत्रों की प्रथम भारतीय महिलाओं की जानकारी पढ़ो और बताओ ।

*निम्नलिखित भावों से संबंधित पंक्तियाँ लिखो ।

१. स्वतंत्रता की इच्छा हर भारतीय के मन में जाग उठी थी ।

२. झाँसी की रानी अपने आप में एक स्मारक है ।

सदैव ध्यान में रखो



देश के प्रति त्याग और समर्पण की भावना होनी चाहिए ।



विचार मंथन



॥ स्वतंत्रता अनमोल होती है ॥

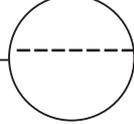


भाषा की ओर

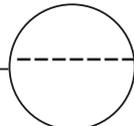
निम्न वाक्यों के काल पहचान कर उसे अन्य दो कालों में परिवर्तित करके लिखो :

मैं साइकिल चलाना सीखूँगा ।

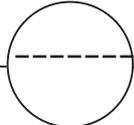
काल

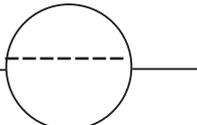


शीतल ने पत्र लिखा है ।

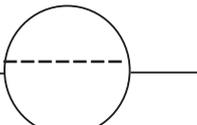


तृषा पुस्तक पढ़ रही थी ।





सलीम जा रहा था ।



हम मुंबई जाएँगे ।